हवाई कलाबाजी करते धराशाई हुआ था संजय गाँधी का विमान

रेहान फजल

राजीव और संजय गाँधी दोनों को गति और मशीनों से गहरा लगाव था। एक ओर जहाँ राजीव विमानन नियमों का पालन करते थे, वहीं संजय विमान को कार की तरह चलाया करते थे। तेज हवा में कलाबाजियां खाना उनका शौक हुआ करता था।

साल 1976 में उन्हें हल्के विमान उड़ाने का लाइसेंस मिला था, लेकिन इंदिरा गाँधी के सत्ता से हटते ही जनता सरकार ने उनका लाइसेंस छीन लिया था। इंदिरा गांधी के सत्ता में दोबारा वापस आते ही उनका लाइसेंस भी उन्हें वापस मिल गया था।

साल 1977 से ही इंदिरा परिवार के नजदीकी धीरेंद्र ब्रह्मचारी एक ऐसा टू सीटर विमान पिट्स एस 2ए आयात करवाना चाह रहे थे, जिसे खासतौर पर हवा में कलाबाजियां खाने के लिए बनाया गया हो। मई 1980 में जाकर भारत के कस्टम विभाग ने उसे भारत लाने की मंजूरी दी।

आनन-फानन में उसे असेंबल कर सफदरजंग हवाई अड्डे स्थित दिल्ली फ्लाइंग क्लब में पहुंचा दिया गया। संजय पहले ही दिन उस विमान को उड़ाना चाह रहे थे, लेकिन पहला मौका फ्लाइंग क्लब के इंस्ट्रक्टर को मिला। संजय ने पहली बार 21 जून 1980 को नए पिट्स पर अपना हाथ आजमाया।

दूसरे दिन यानी 22 जून को अपनी पत्नी मेनका गाँधी, इंदिरा गांधी के विशेष सहायक आर के धवन और धीरेंद्र ब्रह्मचारी को लेकर उन्होंने उड़ान भरी और 40 मिनट तक दिल्ली के आसमान पर विमान उड़ाते रहे। अगले दिन यानी 23 जून को माधवराव सिंधिया उनके साथ पिट्स की उड़ान भरने वाले थे। लेकिन संजय गाँधी सिंधिया के बजाए दिल्ली फ्लाइंग क्लब के पूर्व इंस्ट्रक्टर सुभाष सक्सेना के घर जा पहुँचे जो सफदरजंग हवाई अड्डे के बगल में ही रहते थे।

उन्होंने कैप्टन सक्सेना से कहा कि वह उनके साथ फ्लाइट पर चलें। संजय अपनी कार पार्क करने चले गए और सुभाष अपने एक सहायक के साथ फ्लाइंग क्लब के मुख्य भवन में पहुंचे। कैप्टन सक्सेना बहुत जल्दी में नहीं थे और शायद इसीलिए उन्होंने एक चाय का भी ऑर्डर कर दिया।

अभी उन्होंने चाय का एक घूंट ही लिया था कि उनका चपरासी दौड़ता हुआ आया और बोला कि संजय गाँधी विमान में बैठ चुके हैं और उन्हें तुरंत बुला रहे हैं। कैप्टन सक्सेना ने अपने सहायक को यह कहकर घर भेज दिया कि वो 10-15 मिनट में वापस लौट आएंगे। कैप्टन सक्सेना पिट्स के अगले हिस्से में बैठे और संजय ने पिछले हिस्से में बैठकर कंट्रोल संभाला।

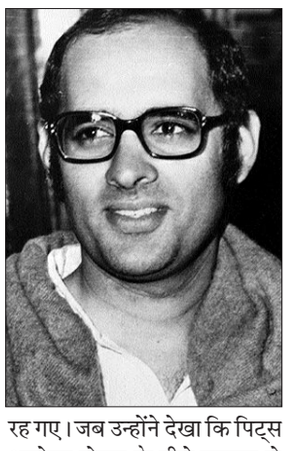

ठीक सात बजकर 58 मिनट पर उन्होंने टेक ऑफ किया। संजय ने सुरक्षा नियमों को दरकिनार करते हुए रिहायशी इलाके के ऊपर ही तीन लूप लगाए। वो चौथी लूप लगाने ही वाले थे कि कैप्टन सक्सेना के सहायक ने नीचे से देखा कि विमान के इंजन ने काम करना बंद कर दिया है। पिट्स तेजी से मुड़ा और नाक के बल जमीन से जा टकराया।

कंट्रोल टॉवर में बैठे विमान को देख रहे लोगों के मुँह खुले के खुले रह गए। जब उन्होंने देखा कि पिट्स अशोका होटल के पीछे एकदम से गुम हो गया। सक्सेना के सहायक ने भी तेजी से विमान को नीचे गिरते हुए देखा।

उसने अपनी साइकिल पकड़ी और पागलों की तरह चलाता हुआ सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचा। बिल्कुल नया पिट्स टू सीटर मुड़ी हुई धातु में बदल चुका था। उसमें से गहरा काला धुंआ निकल रहा था, लेकिन उसमें आग नहीं लगी थी।

रानी सिंह अपनी किताब सोनिया गाँधी- एन एक्सट्राऑर्डिनरी लाइफ में लिखती हैं, सक्सेना के सहायक ने देखा कि संजय गाँधी का शव विमान के मलबे से चार फीट की दूरी पर पड़ा था। कैप्टेन सक्सेना के शरीर का निचला हिस्सा विमान के मलबे में दबा हुआ था लेकिन सिर बाहर निकला हुआ था।

ठीक उसी समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह एक, अकबर रोड पर बैठे इंदिरा गाँधी से मिलने का इंतजार कर रहे थे। अचानक वीपी सिंह ने सुना कि इंदिरा गाँधी के सहायक आरके धवन कह रहे हैं कि बहुत बड़ा हादसा हो गया है। बिखरे हुए बालों में इंदिरा गाँधी बाहर निकलीं और धवन के साथ एम्बेस्डर कार में घटनास्थल के लिए रवाना हो गईं।

उनके पीछे-पीछे वीपी सिंह भी वहां पहुंचे। इंदिरा गाँधी के पहुंचने से पहले ही फायर ब्रिगेड ने विमान के मलबे से दोनों शव निकाल लिए थे और उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस में रखा जा रहा था।

रानी सिंह अपनी किताब में लिखती हैं, इंदिरा गाँधी खुद एंबुलेंस में चढ़ गईं और राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचीं। वहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सबसे पहले अस्पताल पहुंचने वालों में अटल बिहारी वाजपेयी और चंद्रशेखर थे। इंदिरा गांधी ने अपनी आंखों और भावनाओं को छिपाने के लिए काला चश्मा लगा रखा था।

पुपुल जयकर अपनी किताब इंदिरा गाँधी में लिखती हैं कि उनको अकेले खड़े देख वाजपेयी ने आगे बढ़कर कहा, इंदिराजी इस कठिन मौके पर आपको बहुत साहस से काम लेना होगा। उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया लेकिन वाजपेयी की तरफ इस अंदाज से देखा मानो यह कह रही हों कि आप कहना क्या चाह रहे हैं?

वाजपेयी थोड़े से विचलित हुए और सोचने लगे कि उन्होंने इंदिरा से यह कहकर कोई गलती तो नहीं कर दी। इसके बाद इंदिरा चंद्रशेखर की तरफ मुड़ीं और उन्हें एक तरफ ले जाकर बोलीं कि मैं कई दिनों से

(बाकी पेज 18 पर)

इतिहास में 23 जून

एक कारोबारी ने कार का नाम अपनी बेटी के नाम पर रख दिया और यहीं से मर्सिडीज नाम की शुरूआत हुई। कंपनी का नाम तो डाइम्लर मोटोरेन गेजेलशाफ्ट है।

जर्मनी के मेकैनिकल इंजीनियर गॉटलीब डाइम्लर ने पेट्रोल से चलने वाली अपनी पहली लक्जरी कार 1899 में मोरक्को के सुल्तान को बेची। डाइम्लर ने अपने ही कस्बे कानश्टाड में डाइम्लर मोटोरेन गेजेलशाफ्ट (डीएमजी) नाम की कंपनी भी बनाई। इसी बीच ऑस्ट्रिया के एक कारोबारी एमिल येलिनेक ने डाइम्लर से संपर्क किया। येलिनेक ने दो सिलेंडरों और छह हॉर्सपावर की एक कार खरीदी। उन्हें ये कार धीमी लगी। उन्होंने डाइम्लर से कहा कि वो दो चार सिलेंडर वाली कारें बनाएं, जो तेज भागें। डाइम्लर ने ऐसा कर दिया। नई कारों को येलिनेक ऑस्ट्रिया के अमीरों को बेचने लगे।

इसके साथ ही कारों की रेस भी शुरू हो गई। येलिनेक ने रेस में हिस्सा लेने वाली अपनी कार का नाम मेर्सिडीस रखा। असल में यह उनकी बेटी का नाम था। वर्ष 1900 में येलिनेक और डाइम्लर के बीच समझौता हुआ कि वो चार सिलेंडरों वाली कारें मर्सिडीज के नाम से बेचेंगे। दोनों को लगा कि इस नाम से गाड़ी के जर्मन होने के अहसास नहीं होता, लिहाजा ये फ्रांस में भी आसानी से बिकेगी। यही हुआ भी। डीएमजी ने दिसंबर 1900 तक 35 हॉर्सपावर की गाड़ी बना दी। इसकी चेसिस स्टील की थी। वर्ष 1901 में बाजार में आने के साथ ही इसे पहली आधुनिक कार कहा जाने लगा। इसकी उच्चतम रफ्तार 80 किलोमीटर प्रतिघंटा थी।

मर्सिडीज नाम से बिक रही इन कारों ने जर्मनी, ऑस्ट्रिया और फ्रांस में गजब की कामयाबी हासिल की। बड़ी सफलता को देखते हुए 22 जून 1902 को डीएमजी ने अपना ब्रांड नाम आधिकारिक तौर पर मर्सिडीज दर्ज करा दिया। आज दुनिया भर में इन कारों को मर्सिडीज के नाम से जाना जाता है।

23 जून 1985 के दिन एयर इंडिया का मॉन्ट्रियल से लंदन होते हुए नई दिल्ली आने वाला हवाई जहाज आतंकी हमले का शिकार हुआ।

9,400 मीटर यानी 31,000 फीट की ऊंचाई पर इस विमान में बम धमाका हुआ। बोईंग 747-237बी इस धमाके के साथ अटलांटिक महासागर में क्रैश हो गया। धमाके के समय विमान आयरलैंड की हवाई सीमा में उड़ रहा था।

प्लेन में सवार 329 यात्रियों में से कोई नहीं बचा। इसमें 268 कनाडा के, 27 ब्रिटिश और 24 भारतीय नागरिक सवार थे। कनाडा के इतिहास और आयरलैंड की हवाई सीमा में होने वाला यह सबसे बुरा हवाई हादसा था। किसी जंबो जेट में हुई यह पहला बम धमाका था।

1988 में लॉकरबी बम धमाके में ऐसा ही तरीका इस्तेमाल किया गया था। विस्फोटक एक रेडियो में रखा हुआ था और धमाका टाइमर से किया गया था। यह बम सूटकेस में था।

1985 में हुआ यह धमाका नारिटा एयरपोर्ट पर हुए बम धमाके के एक घंटे के अंदर हुआ था। नारिटा में विस्फोटक विमान में पहुंचने से पहले ही फट गया। इस धमाके से मिले सबूतों से संकेत मिला था कि हमलावर दो विमानों को एक साथ उड़ाना चाहते थे।

इस हमले की जांच और सुनवाई करीब 20 साल चली। कनाडा की अदालत जांच और सुनवाई के बाद इस नतीजे पर पहुंती कि धमाकों के मुख्य संदिग्ध बब्बर खालसा गुट के सिख चरमपंथी थे और उनके साथ कनाडा का एक गुट जुड़ा हुआ था। इन धमाकों में शामिल होने का दोषी सिर्फ इंदरजीत सिंह रेयात पाया गया। उन्हें बम बनाने और इन बमों का फ्लाइट 182 और नैरिता में धमाका करने के दोष में 15 साल कैद की सजा हुई।

2006 में गर्वनर जनरल इन काउंसिल ने सुप्रीम कोर्ट जज जॉन मेजर के नेतृत्व में एक जांच आयोग बनाया। इसकी रिपोर्ट 17 जून 2010 को जारी की गई। इसमें कहा गया कि कनाडा की सरकार, रॉयल कनाडियाई माउंटेड पुलिस और कनाडा की सुरक्षा और खुफिया सर्विस के एक कि बाद एक गलतियों की श्रृंखला के कारण ये आतंकी हमले हुए।

सुडोकू - 4086 (Easy)

	3				9			
	6	7	3			9		2
							1	6
1		5				6	3	4
	9	3				1	2	
4	8	2			1	7		5
8	5							
3		6			7	2	8	
			9				6	

इस पहेली की खाली जगहों में एक से नौ के बीच के अंक भरे जाने हैं। किसी भी आड़ी या खड़ी पंक्ति में किसी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है 3-3 के प्रत्येक ब्लाक दिए गए हैं। किसी ब्लाक में किसी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है।

हल करने का समय, शुरु........... खत्म...........

इसका उत्तर ढूंढें आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर

अंक जाल - 2996

■	24	23	25	■	24	11	18	17	■
21	6		7	■	5		9		20
20		5		■		5		8	23
12	2		3	■	4		6		19
26		3		2		■	■	■	■
■	■	■	■		3		5		24
20		3		4	■	2		6	13
22	3		7		■		8		19
18		3		6	■	3		7	12
■	14	10	18	22	■	18	20	25	■

खाली जगहों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर बाएं से दाएं व ऊपर से नीचे जोड़ें, उत्तर मटमैले रंग में दिया गया है। चारों कोनों में दी गई संख्या की जोड़ दोनों ओर से एक समान होनी चाहिए।

हल करने का समय, शुरु........ खत्म........

इसका उत्तर ढूंढें आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर

Name, Fame and Game-4006

आज हम दे रहे है भारत में मनाए जाने वाले कुछ त्योहारों के नाम जो अंग्रेजी अक्षरों की इस भीड़ में आपको ढूंढना है। नाम के हिज्जे अंग्रेजी में हैं और ये दाएं से बाएं, बाएं से दाएं, ऊपर से नीचे, नीचे से ऊपर या तिरछे- किसी भी दिशा में हो सकते हैं। उत्तर आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर। इन नामों की फेहरिस्त लंबा होने से हम इन्हें किस्तों में ले रहे हैं।

BHAIDUJ
CHHATHPUJA
DIWALI
DUSSEHRA
GANESHCHATURTHI
GOVERDHAN
GUDIPADWA
HANUMANJAYANTI
HARTALIKATEEJ
HOLI
KRISHNAJANMASHTAMI
LOHRI
MAHASHIVARATRI
MAKARSANKRANTI
NAGPANCHAMI
ONAM
RAKSHABANDHAN
RAMNAVAMI
RATHJATRA
VASANTPANCHAMI
VISHWAKARMAPUJA

N

W / E

A	F	H	I	P	Y	W	K	I	M	F	T	I	K	I	I	H	H
J	X	J	N	H	W	W	W	X	C	I	L	X	T	M	Q	P	A
U	C	E	E	H	T	K	M	D	P	A	H	N	A	O	R	W	N
P	D	E	O	O	X	R	D	D	W	Z	A	H	E	X	H	N	U
A	A	T	G	M	Z	H	U	I	F	R	C	O	T	F	W	G	M
M	V	A	W	O	A	O	D	T	K	N	A	E	M	Q	O	P	A
R	Q	K	K	N	A	H	D	N	A	B	A	H	S	K	A	R	N
A	R	I	O	I	K	R	A	P	L	H	U	E	O	G	K	R	J
K	Z	L	N	N	V	S	G	S	V	J	C	U	E	L	W	A	A
A	K	A	A	K	R	A	J	K	H	O	U	H	T	W	I	M	Y
W	R	T	M	A	N	I	S	R	I	I	L	R	S	Y	A	N	A
H	J	R	K	E	Y	W	A	T	S	P	V	J	B	E	R	A	N
S	V	A	S	A	N	T	P	A	N	C	H	A	M	I	N	V	T
I	M	H	C	H	H	A	T	H	P	U	J	A	R	H	U	A	I
V	M	H	Y	J	Q	V	R	G	L	O	H	R	I	A	B	M	G
Q	B	M	A	N	C	Z	U	H	U	L	Y	D	T	U	T	I	P
J	P	T	M	J	X	O	D	B	E	D	U	C	X	T	G	R	M
T	R	Q	N	U	H	V	G	M	C	S	I	L	J	M	I	N	I
A	N	A	H	D	R	E	V	O	G	Z	S	P	D	G	H	M	S
N	T	I	K	I	T	F	T	E	M	E	T	U	A	Q	D	I	H
H	P	A	A	A	W	V	P	V	G	Q	O	Y	D	D	F	Z	E
H	S	F	M	H	U	K	V	A	I	F	F	O	S	J	W	A	J
W	Q	J	D	B	K	R	N	D	K	V	T	M	K	B	Q	A	Q
I	M	A	T	H	S	A	M	N	A	J	A	N	H	S	I	R	K

S

मिनी सुडोकू - 2947

2	6		5		4
		2	4		1
1		4	6		
5		6			2

इस पहेली की खाली जगहों में एक से 6 के बीच के अंक भरे जाने हैं। किसी भी आड़ी या खड़ी पंक्ति में किसी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है किसी ब्लाक में किसी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है।

हल करने का समय, शुरु........... खत्म...........

इसका उत्तर ढूंढें आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर

गणित का चौराहा -3006

	×		-		-7
+	■	-	■	×	
	+		+		12
×	■	-	■	+	
	-		×		-50
19		-10		44	

हल करने का समय, शुरु........ खत्म........

खाली जगहों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर समीकरण को पूरा करें। किसी भी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है। प्रत्येक आड़ी या खड़ी पंक्ति एक गणित समीकरण है। याद रहे कि गुणा और भाग पहले करना है, जोड़ व घटाना बाद में।

इसका उत्तर ढूंढें आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर

छत्तीसगढ़ शब्द पहेली क्रमांक-4086

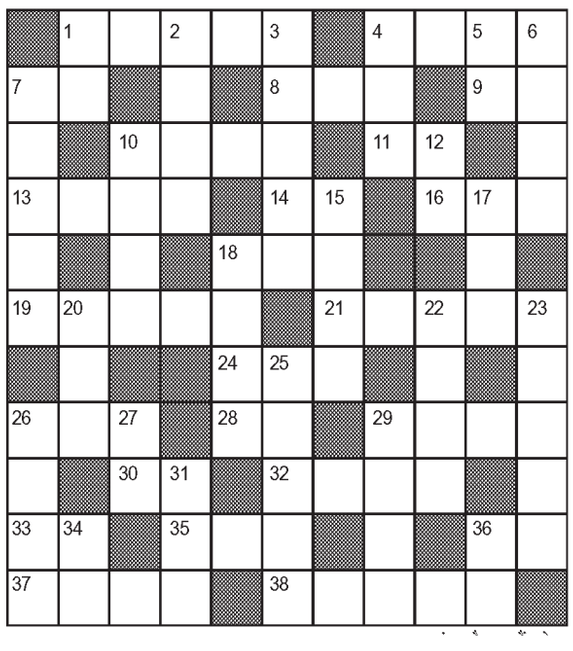

बाएं से दाएं-

1. फिल्म बॉबी के निर्माता-निर्देशक
4. आश्चर्य, विलक्षणता
7. जीत, फतेह
8. आकाश रेखा, छोर
9. तल, पेंदा
10. थाली, धरोहर
11. मोटा आटा
13. सलाह, मशवरा
14. अन्य, वो, तिन
16. घर, गृह
18. धावक (अंग्रेजी)
19. नाम रखना
21. परामर्शदाता
24. सुनसान, नीरव
26. वन, जंगल
28. मिट्टी, रेत
29. चेतनाहीन
30. परागकण
32. भयभीत होना
33. छोटी सवारी गाड़ी
35. फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं, वेणी
36. द्वार, किवाड़
37. जनता की राय
38. नाटक लिखने वाला

ऊपर से नीचे-

1. मत, सलाह
2. करतब
3. वह जंगल जो संरक्षित हो
4. अनश्वर, चिरयुवा
5. लीन मग्न
6. जलाऊ लकड़ी
7. रनिवास
10. मूर्ख (उर्दू)
12. बांया
15. आनंदित होना
17. शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म
18. योद्धा
20. अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म
22. मुआवजा
23. चित्रपट, फिल्मी दुनिया
25. राज वंश
26. काम, कार्य
27. मादा का विलोम
29. उपद्रव फैलाने वाला
31. दुनिया, जहान
34. क्रिकेट में बनते हैं
36. पंख, पराया

(उत्तर आज के ही अंक में किसी पृष्ठ पर)